

102

302 (DH)

2024

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट ]

[पूर्णांक : 100

निर्देश :

- (i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।  
(ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

## खण्ड क

1. (क) 'मेरी असफलताएँ' किस विधा की रचना है ? 1  
(i) कहानी (ii) आत्मकथा  
(iii) डायरी (iv) जीवनी
- (ख) 'धुमकड़ शास्त्र' के लेखक हैं : 1  
(i) राहुल सांकृत्यायन (ii) विद्यानिवास मिश्र  
(iii) प्रेमचन्द (iv) नागार्जुन
- (ग) निम्नलिखित में से कौन-सा उपन्यास जैनेंद्र द्वारा लिखित है ? 1  
(i) 'इरावती' (ii) 'ऋतुचक्र'  
(iii) 'सुनीता' (iv) 'निर्मला'
- (घ) 'ब्राह्मण' पत्र का सम्पादन किया था : 1  
(i) भारतेन्दु हरिश्चंद्र ने (ii) 'प्रेमघन' ने  
(iii) प्रतापनारायण मिश्र ने (iv) बालकृष्ण भट्ट ने
- (ङ) 'चिंतामणि' रचना के लेखक हैं : 1  
(i) महावीर प्रसाद द्विवेदी (ii) रामचंद्र शुक्ल  
(iii) हजारी प्रसाद द्विवेदी (iv) डॉ. नगेन्द्र

2. (क) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की रचना है :

- |                      |                     |
|----------------------|---------------------|
| (i) 'कामायनी'        | (ii) 'वैदेही-वनवास' |
| (iii) 'कश्मीर सुषमा' | (iv) 'प्रेम माधुरी' |

(ख) 'सरोज-स्मृति' कविता के रचनाकार हैं :

- |                                 |                    |
|---------------------------------|--------------------|
| (i) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' | (ii) जयशंकर प्रसाद |
| (iii) सुमित्रानंदन पंत          | (iv) महादेवी वर्मा |

(ग) 'उपमान मैले हो गए हैं' किसकी काव्यपंक्ति है ?

- |                          |                     |
|--------------------------|---------------------|
| (i) त्रिलोचन शास्त्री की | (ii) 'नागार्जुन' की |
| (iii) मुक्तिबोध की       | (iv) 'अज्ञेय' की    |

(घ) 'एकांतवासी योगी' किसकी रचना है ?

- |                       |                           |
|-----------------------|---------------------------|
| (i) मैथिलीशरण गुप्त   | (ii) श्रीधर पाठक          |
| (iii) बालमुकुंद गुप्त | (iv) भारतेन्दु हरिश्चंद्र |

(ङ) हिन्दी काव्य के किस कालखण्ड को 'स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह' कहा गया है ?

- |                   |                  |
|-------------------|------------------|
| (i) 'प्रगतिवाद'   | (ii) 'छायावाद'   |
| (iii) 'प्रयोगवाद' | (iv) 'नयी कविता' |

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

5×2=10

साहित्य, कला, नृत्य, गीत, आमोद-प्रमोद अनेक रूपों में राष्ट्रीय जन अपने-अपने मानसिक भावों को प्रकट करते हैं। आत्मा का जो विश्वव्यापी आनंद-भाव है वह इन विविध रूपों में साकार होता है। यद्यपि बाह्य रूप की दृष्टि से संस्कृति के ये बाहरी लक्षण अनेक दिखायी पड़ते हैं, किंतु आंतरिक आनंद की दृष्टि से उनमें एकसूत्रता है। जो व्यक्ति सहृदय है, वह प्रत्येक संस्कृति के आनंद पक्ष को स्वीकार करता है और उससे आनंदित होता है। इस प्रकार की उदार-भावना ही विविध जनों से बने हुए राष्ट्र के लिए स्वास्थ्यकर है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ख) राष्ट्रीय जन अपने मानसिक भावों को किन रूपों में प्रकट करते हैं ?

(ग) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(घ) आंतरिक आनंद की दृष्टि से किनमें एकसूत्रता है ?

(ङ) कौन-सी भावना राष्ट्र के लिए स्वास्थ्यकर है ?

अथवा

पुष्पित अशोक को देखकर मेरा मन उदास हो जाता है । इसलिए नहीं कि सुंदर वस्तुओं को हतभाग्य समझने में मुझे कोई विशेष रस मिलता है । कुछ लोगों को मिलता है । वे बहुत दूरदर्शी होते हैं । जो भी सामने पड़ गया, उसके जीवन के अंतिम मुहूर्त तक का हिसाब वे लगा लेते हैं । मेरी दृष्टि उतनी दूर तक नहीं जाती । फिर भी मेरा मन इस फूल को देखकर उदास हो जाता है । असली कारण तो मेरे अंतर्धामी ही जानते होंगे, कुछ थोड़ा-सा मैं भी अनुमान कर सकता हूँ ।

- (क) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।
- (ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- (ग) गद्यांश के लेखक ने स्वयं के बारे में क्या कहा है ?
- (घ) प्रस्तुत गद्यांश का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।
- (ङ) 'अंतर्धामी' और 'दूरदर्शी' शब्दों के अर्थ लिखिए ।

4. दिए गए पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

5×2=10

विस्तृत नभ का कोई कोना,

मेरा न कभी अपना होना,

परिचय इतना इतिहास यही

उमड़ी कल थी मिट आज चली !

- (क) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।
- (ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- (ग) कवयित्री अपने जीवन की तुलना किसके साथ करती है ?
- (घ) उपर्युक्त अंश में कौन-सा रस है ?
- (ङ) यह पद्यांश किस भावना को प्रकट करता है ?

**अथवा**

सुख भोग खोजने आते सब,

आये तुम करने सत्य खोज,

जग की मिट्टी के पुतले जन,

तुम आत्मा के मन के मनोज !

जड़ता, हिंसा, स्पर्धा में भर

चेतना, अहिंसा, नम्र-ओज,

पशुता का पंकज बना दिया

तुमने मानवता का सरोज !

- (क) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।  
 (ख) साधारण मनुष्य संसार में क्या खोजता है ?  
 (ग) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।  
 (घ) 'पशुता का पंकज' से कवि का क्या तात्पर्य है ?  
 (ङ) 'स्पर्धा' और 'नम्र-ओज' शब्दों के अर्थ लिखिए ।
5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) 3+2=5
- (i) वासुदेवशरण अग्रवाल  
 (ii) ए.पी.जे. अब्दुल कलाम  
 (iii) हरिशंकर परसाई
- (ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : 3+2=5
- (i) मैथिलीशरण गुप्त  
 (ii) सुमित्रानंदन पंत  
 (iii) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
6. 'ध्रुवयात्रा' अथवा 'बहादुर' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) 5
- अथवा
- 'पंचलाइट' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए । (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) 5
7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : 5
- (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द)
- (क) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'राज्यश्री' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
- अथवा
- 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के 'पंचम सर्ग' की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।
- (ख) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।
- अथवा
- 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'दुर्योधन' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
- (ग) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य का कथानक लिखिए ।
- अथवा
- 'रश्मिरथी' के नायक 'कर्ण' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(घ) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'गाँधीजी' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(ङ) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के कथानक पर प्रकाश डालिए ।

(च) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'दशरथ' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में प्रस्तुत कीजिए ।

### खण्ड ख

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2+5=7

युवकः मालवीयः स्वकीयेन प्रभावपूर्ण-भाषणेन जनानां मनांसि अमोहयत् । अतः अस्य सुहृदः तं प्राड्विवाकपदवीं प्राप्य देशस्य श्रेष्ठतरां सेवां कर्तुं प्रेरितवन्तः । तदनुसारम् अयं विधिपरीक्षामुत्तीर्य प्रयागस्थे उच्चन्यायालये प्राड्विवाककर्म कर्तुमारभत् । विधेः प्रकृष्टज्ञानेन मधुरालापेन उदारव्यवहारेण चायं शीघ्रमेव मित्राणां न्यायाधीशाञ्च सम्मानभाजनमभवत् ।

अथवा

संस्कृतसाहित्यस्य आदिकविः वाल्मीकिः, महर्षिव्यासः, कविकुलगुरुः कालिदासः अन्ये च भास-भारवि-भवभूत्यादयो महाकवयः स्वकीयैः ग्रन्थरत्नैः अद्यापि पाठकानां हृदि विराजन्ते । इयं भाषा अस्माभिः मातृसमं सम्माननीया वन्दनीया च, यतो भारतमातुः स्वातन्त्र्यं, गौरवम्, अखण्डत्वं सांस्कृतिकमेकत्वञ्च संस्कृते नैव सुरक्षितं शक्यन्ते । इयं संस्कृतभाषा सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठा चास्ति । ततः सुष्ठूक्तम् 'भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाण भारती' इति ।

(ख) दिये गये पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2+5=7

न मे रोचते भद्रं वः उलूकस्याभिषेचनम् ।  
अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं क्रुद्धो भविष्यति ॥

अथवा

जल-बिन्दु-निपातेन क्रमशः पूर्यते घटः ।  
स हेतुः सर्वविद्यानां धर्मस्य च धनस्य च ॥

9. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

1+1=2

- (क) अन्न-जल पूरा हो जाना
- (ख) अपना ही राग अलापना
- (ग) दाल में काला होना
- (घ) सूरज को दीपक दिखाना

10. अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

जिस प्रकार सुखी होने का प्रत्येक प्राणी को अधिकार है, उसी प्रकार मुक्तांतक होने का भी । पर कार्यक्षेत्र के चक्रव्यूह में पड़कर जिस प्रकार सुखी होना प्रयत्न-साध्य होता है उसी प्रकार निर्भय होना भी । निर्भयता के संपादन के लिए दो बातें अपेक्षित होती हैं — पहली तो यह कि दूसरों को हमसे किसी प्रकार का भय या कष्ट न हो; दूसरी यह कि दूसरे हमको कष्ट या भय पहुँचाने का साहस न कर सकें । इनमें से एक का संबंध उत्कृष्ट शील से है और दूसरी का शक्ति और पुरुषार्थ से । इस संसार में किसी को न डराने से ही डरने की सम्भावना दूर नहीं हो सकती । साधु से साधु प्रकृतिवाले को क्रूर लोभियों और दुर्जनों से क्लेश पहुँचता है । अतः उनके प्रयत्नों को विफल करने या भय-संचार द्वारा रोकने की आवश्यकता से हम बच नहीं सकते । <https://www.upboardonline.com>

(क) सुखी होने के साथ और क्या होना प्रयत्न-साध्य होता है ?

1

(ख) निर्भयता के सम्पादन के लिए क्या करना अपेक्षित है ?

2

(ग) शील, शक्ति और पुरुषार्थ-जैसी वृत्तियों का सम्बन्ध किनसे है ?

2

अथवा

कुछ कार्य ऐसे भी होते हैं, जो अनेक छोटे-छोटे कर्मों की समष्टि जैसे होते हैं । उदाहरणार्थ, यदि हम समुद्र के किनारे खड़े हों और लहरों को किनारे से टकराते हुए सुनें, तो ऐसा मालूम होता है कि एक बड़ी भारी आवाज़ हो रही है । परन्तु हम जानते हैं कि एक बड़ी लहर असंख्य छोटी-छोटी लहरों से बनी है । और यद्यपि प्रत्येक छोटी लहर अपना शब्द करती है, परन्तु फिर भी वह हमें सुनाई नहीं पड़ती । पर ज्यों ही ये सब शब्द आपस में मिलकर एक हो जाते हैं, त्यों ही हमें बड़ी आवाज़ सुनाई देती है । इसी प्रकार हृदय की प्रत्येक धड़कन कार्य है । कई कार्य ऐसे होते हैं, जिनका हम अनुभव करते हैं, वे हमें इन्द्रियग्राह्य हो जाते हैं, पर वे अनेक छोटे-छोटे कार्यों की समष्टि होते हैं ।

(क) हृदय की प्रत्येक धड़कन को क्या कहा गया है ?

1

(ख) छोटे-छोटे कर्मों की समष्टि से क्या तात्पर्य है ?

2

(ग) 'इन्द्रियग्राह्य' और 'समष्टि' शब्दों के अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

2

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) अनिष्ट-अनिष्ट

1

- (अ) बुरा और निष्ठा रहित
- (ब) दूरस्थ और अविचल
- (स) अनन्त और अन्तिम
- (द) अतिरिक्त और कठोर

(ii) मात्र-मातृ

1

- (अ) मंत्र और मान्य
- (ब) केवल और माता
- (स) मलिन और मृदु
- (द) मैत्री और मुग्ध

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए :

1+1=2

- (i) तात
- (ii) सुरभि
- (iii) शिखा
- (iv) मधु

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए :

(i) जो कम बोलता हो

1

- (अ) असंवादी
- (ब) मितभाषी
- (स) बातूनी
- (द) विवादी

(ii) जो बूढ़ा न हो

1

- (अ) अमर
- (ब) अजर
- (स) अनन्त
- (द) अनश्वर

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :

1+1=2

- (i) मैं अनेकों बार दिल्ली जा चुका हूँ ।
- (ii) सीता ने पुस्तक लिखा ।
- (iii) गमला मेज में रखा है ।
- (iv) मैं महेश को पढ़ाया हूँ ।

12. (क) 'करुण रस' अथवा 'शान्त रस' का स्थायी भाव के साथ उदाहरण अथवा परिभाषा लिखिए । 1+1=2

(ख) 'अनुप्रास' अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलङ्कार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए ।

1+1=2

(ग) 'चौपाई' अथवा 'दोहा' छन्द का लक्षण तथा उदाहरण लिखिए ।

1+1=2

13. बैंक-प्रबन्धक को शिक्षा ऋण के आवेदन के सम्बन्ध में पत्र लिखिए ।

2+4=6

अथवा

किसी पर्यटन-स्थल की यात्रा का वर्णन करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए ।

6

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए :

2+7=9

- (क) पर्यावरण संरक्षण का महत्त्व
- (ख) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्त्व
- (ग) वर्तमान समय में नारी-शिक्षा
- (घ) साहित्य और समाज का सम्बन्ध
- (ङ) राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020



102

302 (DI)

2024

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट ]

[पूर्णांक : 100

निर्देश :

- (i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।  
 (ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं । दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

## खण्ड क

1. (क) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने हिन्दी गद्य की प्रथम पुस्तक माना है : 1  
 (i) 'नासिकेतोपाख्यान' को (ii) 'चंद छंद बरनन की महिमा' को  
 (iii) 'भाषा योगवाशिष्ठ' को (iv) 'सुखसागर' को
- (ख) गुलाबराय की रचना 'मेरी असफलताएँ' की विधा है : 1  
 (i) उपन्यास (ii) नाटक  
 (iii) निबन्ध (iv) कहानी
- (ग) 'ब्राह्मण' पत्रिका के सम्पादक हैं : 1  
 (i) बालकृष्ण भट्ट (ii) धर्मवीर भारती  
 (iii) कमलेश्वर (iv) प्रतापनारायण मिश्र
- (घ) हजारी प्रसाद द्विवेदी का उपन्यास है : 1  
 (i) 'त्यागपत्र' (ii) 'रंगभूमि'  
 (iii) 'पुनर्नवा' (iv) 'तट की खोज'
- (ङ) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' की रचना है : 1  
 (i) 'विचार-प्रवाह' (ii) 'माटी हो गई सोना'  
 (iii) 'परख' (iv) 'साहित्य और समाज'

2. (क) भारतेन्दुयुगीन कवि हैं : 1
- |                          |                     |
|--------------------------|---------------------|
| (i) 'प्रेमघन'            | (ii) महादेवी वर्मा  |
| (iii) भवानी प्रसाद मिश्र | (iv) नरेन्द्र शर्मा |
- (ख) 'हुंकार' काव्य के रचयिता हैं : 1
- |                            |  |
|----------------------------|--|
| (i) सुमित्रानन्दन पन्त     | (ii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन, 'अज्ञेय' |
| (iii) रामधारी सिंह 'दिनकर' | (iv) मुक्तिबोध                                 |
- (ग) प्रयोगवादी काव्यधारा के प्रमुख कवि हैं : 1
- |                      |                        |
|----------------------|------------------------|
| (i) केदारनाथ अग्रवाल | (ii) त्रिलोचन          |
| (iii) नागार्जुन      | (iv) शमशेर बहादुर सिंह |
- (घ) 'तीसरा सप्तक' का प्रकाशन वर्ष है : 1
- |            |           |
|------------|-----------|
| (i) 1959   | (ii) 1969 |
| (iii) 1951 | (iv) 1941 |
- (ङ) 'पल्लव' से उद्धृत कविता 'परिवर्तन' के रचयिता हैं : 1
- |                                    |                         |
|------------------------------------|-------------------------|
| (i) महादेवी वर्मा                  | (ii) सुमित्रानन्दन पन्त |
| (iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' | (iv) जयशंकर प्रसाद      |

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×2=10

अशोक को जो सम्मान कालिदास से मिला, वह अपूर्व था। सुन्दरियों के आसिजनकारी नूपुरवाले चरणों के मृदु आघात से वह फूलता था, कोमल कपोलों पर कर्णावतंस के रूप में झूलता था और चंचल नील अलकों की अचंचल शोभा को सौ गुना बढ़ा देता था। वह महादेव के मन में क्षोभ पैदा करता था, मर्यादा पुरुषोत्तम के चित्त में सीता का भ्रम पैदा करता था और मनोजन्मा देवता के एक इशारे पर कन्धे पर से ही फूट उठता था।

- (क) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
- (ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- (ग) संस्कृत के किस कवि ने अशोक को सम्मानित किया है ?
- (घ) अशोक पर फूल आने के सम्बन्ध में लेखक के क्या विचार हैं ?
- (ङ) आसिजनकारी तथा कर्णावतंस के अर्थ लिखिए।

अथवा

निन्दा कुछ लोगों की पूँजी होती है । बड़ा लम्बा-चौड़ा व्यापार फैलाते हैं वे इस पूँजी से । कई लोगों की प्रतिष्ठा ही दूसरों की कलंक-कथाओं के पारायण पर आधारित होती है । बड़े रस-विभोर होकर वे जिस-तिस की सत्य-कल्पित कलंक-कथा सुनाते हैं और स्वयं को पूर्ण संत समझने-समझाने की तुष्टि का अनुभव करते हैं ।

- (क) उपर्युक्त गद्यांश के लेखक और पाठ का नाम लिखिए ।
- (ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- (ग) निन्दा किसकी पूँजी होती है ?
- (घ) 'सत्य-कल्पित, कलंक-कथा' का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।
- (ङ) कुछ लोगों की प्रतिष्ठा का आधार क्या होता है ?

4. दिए गए पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

5×2=10

मेरे प्यारे नव जलद से कंज से नेत्र वाले ।

जाके आये न मधुवन से औ न भेजा सँदेसा ।

मैं रो-रो के प्रिय-विरह से बावली हो रही हूँ ।

जाके मेरी सब दुःख-कथा श्याम को तू सुना दे ॥

- (क) प्रस्तुत पद्यांश का संदर्भ लिखिए ।
- (ख) पवन-दूतिका द्वारा किसने किसको संदेश भेजा है ?
- (ग) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- (घ) प्रस्तुत पद्यांश में श्रीकृष्ण के सौन्दर्य का वर्णन किस प्रकार किया है ?
- (ङ) प्रस्तुत पद्यांश में प्रयुक्त रस तथा उसका स्थायी भाव लिखिए ।

अथवा

मैं नीर भरी दुःख की बदली ।

स्पंदन में चिर निष्पंद बसा,

क्रंदन में आहत विश्व हँसा,

नयनों में दीपक से जलते

पलकों में निर्झरिणी मचली !

- (क) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक एवं रचयिता का नाम लिखिए ।
- (ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- (ग) 'नयनों में दीपक से जलते' में कौन-सा अलङ्कार प्रयुक्त हुआ है ? स्पष्ट कीजिए ।
- (घ) कवयित्री के निरन्तर रुदन का क्या कारण है ?
- (ङ) उपर्युक्त पद्यांश में कवयित्री ने स्वयं को क्या बताया है ?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) 3+2=5
- (i) हरिशंकर परसाई
- (ii) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी
- (iii) हजारी प्रसाद द्विवेदी
- (ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) 3+2=5
- (i) मैथिलीशरण गुप्त
- (ii) रामधारी सिंह 'दिनकर'
- (iii) 'अज्ञेय'
6. 'पञ्चलाइट' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) 5
- अथवा
- 'बहादुर' कहानी की कथावस्तु का सार लिखिए । (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) 5
7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : 5
- (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द)
- (क) (i) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।
- (ii) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'हर्षवर्धन' का चरित्रांकन कीजिए ।

- (ख) (i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।  
(ii) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।
- (ग) (i) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के षष्ठ सर्ग (नमक सत्याग्रह) की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।  
(ii) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गाँधी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
- (घ) (i) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर दशरथ की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । <https://www.upboardonline.com>  
(ii) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'अयोध्या' सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।
- (ङ) (i) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'दुःशासन' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।  
(ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथासार लिखिए ।
- (च) (i) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।  
(ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' का चरित्राङ्कन कीजिए ।

### खण्ड ख

8. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2+5=7
- संस्कृतस्य साहित्यं सरसं, व्याकरणञ्च सुनिश्चितम् । तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यं, भावबोधसामर्थ्यम्, अद्वितीयं श्रुतिमाधुर्यञ्च वर्तते । किं बहुना चिरनिर्माणार्थं यादृशीं सत्प्रेरणां संस्कृतवाङ्मयं ददाति न तादृशीं किञ्चिदन्यत् । मूलभूतानां मानवीयगुणानां यादृशी विवेचना संस्कृतसाहित्ये वर्तते, नान्यत्र तादृशी ।

### अथवा

महामना विद्वान् वक्ता, धार्मिको नेता, पटुः पत्रकारश्चासीत् । परमस्य सर्वोच्चगुणः जनसेवैव आसीत् । यत्र कुत्रापि अयं जनान् दुःखितान् पीडयमानांश्चापश्यत् तत्रैव सः शीघ्रमेव उपस्थितः सर्वविधं साहाय्यञ्च अकरोत् । प्राणिसेवा अस्य स्वभाव एवासीत् ।

- (ख) निम्नलिखित संस्कृत श्लोकों में से किसी एक श्लोक का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

2+5=7

जलबिन्दुनिपातेन क्रमशः पूर्यते घटः ।

सः हेतुः सर्वविद्यानां धर्मस्य च धनस्य च ॥

अथवा

न मे रोचते भद्रं वः उलूकस्यभिषेचनम् ।

अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं क्रुद्धो भविष्यति ॥

9. निम्नलिखित लोकोक्तियों और मुहावरों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

1+1=2

(क) का वर्षा जब कृषि सुखाने

(ख) अधजल गगरी छलकत जाय

(ग) आग बबूला होना

(घ) आसमान टूट पड़ना

10. अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

आज से कई वर्ष पहले गुरुदेव के मन में आया कि शान्तिनिकेतन को छोड़कर कहीं अन्यत्र जाएँ। स्वास्थ्य बहुत अच्छा नहीं था। शायद इसलिए, या पता नहीं क्यों, तै पाया कि वे श्रीनिकेतन के पुराने तिमंजिले मकान में रहें। शायद मौज में आकर यह निर्णय लिया हो। वे सबसे ऊपर के तल्ले में रहने लगे। उन दिनों ऊपर तक पहुँचने के लिए लोहे की चक्करदार सीढ़ियाँ थी, और वृद्ध और क्षीणवपु रवीन्द्रनाथ के लिए उस पर चढ़ सकना असम्भव था। फिर भी बड़ी कठिनाई से उन्हें वहाँ ले जाया जा सका।

(क) 'गुरुदेव' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है ?

1

(ख) गुरुदेव ने शान्तिनिकेतन छोड़कर कहीं और रहने का मन क्यों बनाया ?

2

(ग) उनके समीप तक पहुँचने में क्या कठिनाइयाँ थी ?

2

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

1+1=2

(i) अम्ब - अम्बु :

- (अ) आम और बादल
- (ब) माता और पानी
- (स) माता और पिता
- (द) इनमें से कोई नहीं

(ii) भवन - भुवन :

- (अ) घर और संसार
- (ब) लोक और परलोक
- (स) ग्राम और जगत
- (द) इनमें से कोई नहीं

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए :

1+1=2

- (i) वारिद
- (ii) द्विज
- (iii) मित्र

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही शब्द का चयन करके लिखिए :

1+1=2

(i) जिसका कहीं अन्त न हो :

- (अ) अनेक
- (ब) अनन्त
- (स) अगण्य
- (द) अभिन्न

(ii) कम बोलने वाला :

- (अ) अमितभाषी
- (ब) बहुभाषी
- (स) मितभाषी
- (द) मृदुभाषी

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :

1+1=2

(i) पुत्री पराया धन होता है ।

(ii) आज मेरा बड़ा भाई आ गया ।

(iii) तुम मेरे को पुस्तक दे दो ।

(iv) मैं इस लड़के को पढ़ाया हूँ ।

12. (क) 'करुण' रस अथवा 'शान्त' रस का लक्षण बताते हुए उसका एक उदाहरण लिखिए ।

1+1=2

(ख) 'श्लेष' अलङ्कार अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलङ्कार का लक्षण एवं एक उदाहरण लिखिए ।

1+1=2

(ग) 'चौपाई' अथवा 'दोहा' छन्द का लक्षण एवं एक उदाहरण लिखिए ।

1+1=2

13. 'छात्रावास की जीवन-शैली' विषय पर अपने मित्र को एक पत्र लिखिए ।

2+4=6

अथवा

विद्यालय में खेल-कूद की सामग्री की ओर ध्यान दिलाते हुए प्रधानाचार्य को एक प्रार्थना-पत्र लिखिए । 6

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए :

2+7=9

(क) भारत में कृषि क्रान्ति

(ख) भारतीय लोकतन्त्र का भविष्य

(ग) विज्ञान : वरदान या अभिशाप

(घ) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्व

(ङ) मेरा प्रिय कवि/लेखक



अनुक्रमांक .

नाम .....

102

302 (DJ)

2024

सामान्य हिन्दी

[कुल अंक : 100]

समय : तीन घण्टे 15 मिनट ]

निर्देश :

- (i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।  
(ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

खण्ड क

1. (क) 'हरीऔष' की 'ठठ हिन्दी का ठठ' कृति की विधा है : 1
  - (i) कहानी
  - (ii) उपन्यास
  - (iii) जीवनी
  - (iv) नाटक
- (ख) 'भूले बिसरे चेहरे' कृति के लेखक हैं : 1
  - (i) वासुदेव शरण अग्रवाल
  - (ii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
  - (iii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'
  - (iv) फणीश्वर नाथ रेणु
- (ग) वासुदेव शरण अग्रवाल लेखक हैं : 1
  - (i) 'अकाल पुरुष गाँधी' के
  - (ii) 'भारत की एकता' के
  - (iii) 'विवर्त' के
  - (iv) 'धरती के फूल' के
- (घ) आलोचना साहित्य 'कालिदास की लालित्य योजना' के लेखक हैं : 1
  - (i) हजारी प्रसाद द्विवेदी
  - (ii) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी
  - (iii) हरिशंकर परसाई
  - (iv) जयशंकर प्रसाद
- (ङ) 'इन्द्रजाल' कहानी-संग्रह के लेखक हैं : 1
  - (i) जयशंकर प्रसाद
  - (ii) विश्वम्भर नाथ शर्मा 'कौशिक'
  - (iii) सुदर्शन
  - (iv) प्रेमचन्द

2. (क) सुमित्रानन्दन पन्त का काव्य-संकलन है :

- |                |                    |
|----------------|--------------------|
| (i) 'पांचजन्य' | (ii) 'हिमकिरीटिनी' |
| (iii) 'रश्मि'  | (iv) 'वीणा'        |

(ख) 'प्रगतिवाद' युग के कवि हैं :

- |                       |                            |
|-----------------------|----------------------------|
| (i) महादेवी वर्मा     | (ii) 'नागार्जुन'           |
| (iii) मैथिलीशरण गुप्त | (iv) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र |

(ग) प्रयोगवादी कवि नहीं हैं :

- |                           |                |
|---------------------------|----------------|
| (i) प्रभाकर माचवे         | (ii) मुक्तिबोध |
| (iii) शिवमंगल सिंह 'सुमन' | (iv) 'अज्ञेय'  |

(घ) मैथिलीशरण गुप्त की रचना है :

- |                  |                   |
|------------------|-------------------|
| (i) 'भारत भारती' | (ii) 'चित्राधार'  |
| (iii) 'अनामिका'  | (iv) 'स्वर्णधूलि' |

(ङ) 'महावृक्ष के नीचे' काव्यकृति है :

- |   |
|---|
| (i) धर्मवीर भारती की                              |
| (ii) गिरिजा कुमार माथुर की                        |
| (iii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' की |
| (iv) नरेन्द्र शर्मा की                            |

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

5×2=10

यह अनुभव कितना चमत्कारी है कि यहाँ जो जितनी अधिक बूढ़ी है वह उतनी ही उत्फुल्ल, मुस्कानमयी है। यह किस दीपक की जोत है ? जागरूक जीवन की ! लक्ष्यदर्शी जीवन की ! सेवा-निरत जीवन की ! अपने विश्वासों के साथ एकाग्र जीवन की। भाषा के भेद रहे हैं, रहेंगे भी, पर यह जोत विश्व की सर्वोत्तम जोत है।

- (क) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।  
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।  
(ग) गद्यांश का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।  
(घ) कौन-सी ज्योति विश्व की सर्वोत्तम ज्योति है ?  
(ङ) लेखक ने किसके मुस्कानमय जीवन का चित्रण किया है ?

अथवा

भाषा स्वयं संस्कृति का एक अटूट अंग है। संस्कृति परम्परा से निःसृत होने पर भी परिवर्तनशील और गतिशील है। उसकी गति विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है। वैज्ञानिक आविष्कारों के प्रभाव के कारण उद्भूत नई सांस्कृतिक हलचलों को शाब्दिक रूप देने के लिए भाषा के परम्परागत प्रयोग पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए नये प्रयोगों की, नयी भाव-योजनाओं को व्यक्त करने के लिए नये शब्दों की खोज की महती आवश्यकता है।

- (क) पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए।
- (ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- (ग) नए शब्दों की खोज क्यों आवश्यक है?
- (घ) संस्कृति का एक अटूट अंग क्या है?
- (ङ) किसके लिए भाषा के परम्परागत प्रयोग पर्याप्त नहीं हैं?

4. दिए गए पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

5×2=10

निरख सखी ये खंजन आये,

फेरे उन मेरे रंजन ने नयन इधर मन भाये।

फैला उनके तन का आतप, मन में सर सरसाये,

घूमे वे इस ओर वहाँ, ये हंस यहाँ उड़ छाये।

करके ध्यान आज इस जन का निश्चय ये मुसकाये,

फूल उठे हैं कमल, अधर-से यह बंधूक सुहाये।

स्वागत, स्वागत, शरद, भाग्य से मैंने दर्शन पाये,

नभ ने मोती वारे, लो, ये अश्रु अर्घ्य भर लाये ॥

- (क) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
- (ख) सखी को खंजन पक्षी दिखाने से क्या तात्पर्य है?
- (ग) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- (घ) कवि ने पद्यांश में किस ऋतु का वर्णन किया है?
- (ङ) 'नयन' और 'कमल' शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

अथवा

कारा थी संस्कृति विगत, भित्ति

बहु धर्म-जाति-गति रूप-नाम,  
बंदी जग-जीवन, भू विभक्त  
विज्ञान-मूढ़, जन प्रकृति-काम,  
आये तुम मुक्त पुरुष, कहते -  
मिथ्या जड़ बन्धन, सत्यराम,  
नानृतं जयति सत्यं, मा भैः,  
जय ज्ञान-ज्योति, तुमको प्रणाम ।

- (क) विगत संस्कृति में कौन-कौन सी दीवारें थीं ?  
(ख) 'जड़बंधन मिथ्या है और राम सत्य है' यह उद्घोष करने कौन आया ?  
(ग) 'नानृतं जयति सत्यं' का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।  
(घ) रेखांकित अंश का भावार्थ लिखिए ।  
(ङ) कविता का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) 3+2=5

- (i) वासुदेव शरण अग्रवाल  
(ii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल  
(iii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) 3+2=5

- (i) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'  
(ii) जयशंकर प्रसाद  
(iii) महादेवी वर्मा

6. 'ध्रुवयात्रा' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) 5

अथवा

'लाटी' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए । 5

(अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड काव्य के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : 5

(अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द)

(क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का कथानक लिखिए ।

(ख) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'महात्मा गाँधी' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

(ग) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर दशरथ का चरित्राङ्कन कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'अयोध्या' सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

(घ) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'द्रोपदी' का चरित्राङ्कन कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

(ङ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य का कथासार लिखिए ।

(च) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

### खण्ड ख

8. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2+5=7

यथैवोपकरणवतां जीवनं तथैव ते जीवनं स्यात् । अमृतत्वस्य तु नाशास्ति वित्तेन इति । सा मैत्रेयी उवाच — येनाहं नामृता स्याम् किमहं तेन कुर्याम् । यदेव भगवान् केवल-अमृतत्वसाधनं जानाति, तदेव मे ब्रूहि । याज्ञवल्क्य उवाच — प्रिया नः सती त्वं प्रियं भाषसे ।

अथवा

अतीते प्रथमकल्पे चतुष्पदाः सिंहं राजानमकुर्वन् । मत्स्या आनन्दमत्स्यं, शकुनयः सुवर्णहंसम् । तस्य पुनः सुवर्णराजहंस्य दुहिता हंसपोतिका अतीव रूपवती आसीत् । स तस्यै वरमदात् यत् सा आत्मनश्चित्तरुचितं स्वामिनं वृणुयात् इति । हंसराजः तस्यै वरं दत्वा हिमवति शकुनिसंङ्घे सन्यपतत् ।

(ख) निम्नलिखित श्लोकों में से किसी एक का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

2+5=7

अभूत् प्राची पिङ्गा रसपतिरिव प्राप्य कनकं  
गतश्छायोचन्द्रो बुधजन इव ग्राम्यसदसि ।  
क्षणं क्षीणस्तारा नृपतय इवानुद्यमपराः ।  
न दीपा राजन्ते द्रविणरहितानामिव गुणाः ॥

अथवा

निन्दन्तु नीतिनिपुणाः यदि वा स्तुवन्तु  
लक्ष्मीः समाविशतु गच्छतु वा यथेष्टम् ।  
अद्यैव वा मरणमस्तु युगान्तरे वा ।  
न्याय्यात् पथः प्रविचलन्ति पदं न धीराः ॥

9. निम्नलिखित लोकोक्तियों और मुहावरों में से किसी एक का अर्थ लिखते हुए अपने शब्दों में वाक्य प्रयोग कीजिए : <https://www.upboardonline.com>

1+1=2

- (क) अपनी-अपनी डफली अपना-अपना राग
- (ख) समर्थ को नहीं दोष गोसाईं
- (ग) लकीर का फकीर होना
- (घ) लोहे के चने चबाना

10. अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

आज़ाद भारत में दुर्गा भाभी को उपेक्षा और सम्मान दोनों प्राप्त हुए । सरकारों ने उन्हें पैसों से तोलना चाहा । कतिपय वर्ष पूर्व उनके सम्मान में आयोजित एक समारोह में तत्कालीन मुख्यमंत्री ने उन्हें 51 हजार रुपए भेंट किए । भाभी ने वे रुपए वहीं वापस कर दिए । उन्होंने कहा कि 'जब हम स्वाधीनता के लिए संग्राम कर रहे थे, उस समय किसी व्यक्तिगत लाभ की आकांक्षा नहीं थी, केवल स्वाधीनता प्राप्ति लक्ष्य था ।' इस धन से यहाँ शहीदों का एक बड़ा स्मारक बनाया जाए ।

(i) स्वतन्त्र भारत में दुर्गा भाभी का सम्मान किस प्रकार किया गया ?

1

(ii) स्वाधीनता संग्राम में भाग लेने का लक्ष्य क्या था ?

2

(iii) दुर्गा को सम्मान में जो धन भेंट किया गया उसे किस हेतु प्रयोग करने के लिए लौटा दिया गया ?

2

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) शूर-सुर

1

- (अ) कायर और योद्धा
- (ब) वीर और देवता
- (स) बहादुर और निश्चिन्त
- (द) योद्धा और दुर्बल

(ii) भवन-भुवन

1

- (अ) संसार और घर
- (ब) घर और नगर
- (स) घर और संसार
- (द) ग्राम और जगत

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए :

1+1=2

- (i) विधि
- (ii) वारिद
- (iii) द्विज
- (iv) सुरभि

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही शब्द का चयन करके लिखिए :

1

- (i) जिसके समान कोई दूसरा न हो
  - (अ) अद्वितीय
  - (ब) अनुकरणीय
  - (स) अकिंचन
  - (द) अगण्य

1

- (ii) जो सब कुछ जानता हो
  - (अ) विज्ञ
  - (ब) अज्ञ
  - (स) साक्षर
  - (द) सर्वज्ञ

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :

1+1=2

- (i) आज मेरा बड़ा भाई आ गया ।
- (ii) राधा ने पत्र पढ़ी ।
- (iii) मेरे को फल ले आओ ।
- (iv) उपरोक्त कथन सही है ।

12. (क) 'शृंगार' रस अथवा 'शान्त' रस का लक्षण और एक उदाहरण लिखिए। 1+1=2
- (ख) 'अनुप्रास' अलङ्कार अथवा 'रूपक' अलङ्कार का लक्षण और एक उदाहरण लिखिए। 1+1=2
- (ग) 'दोहा' छन्द अथवा 'चौपाई' छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए। 1+1=2
13. अपनी गली/मोहल्ले की नालियों की समुचित सफाई हेतु नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए। 6
- अथवा
- अपने प्रधानाचार्य को छात्रवृत्ति के लिए एक आवेदन-पत्र लिखिए। 6
14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 2+7=9
- (क) राष्ट्रीय एकता - वर्तमान समय की अनिवार्य आवश्यकता
- (ख) बढ़ती जनसंख्या तथा रोज़गार की समस्या
- (ग) मेरा प्रिय साहित्यकार
- (घ) कृषक-जीवन की त्रासदी
- (ङ) पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता

<https://www.upboardonline.com>

Whatsapp @ 9300930012

Send your old paper & get 10/-

अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,

Paytm or Google Pay से



अनुक्रमांक

नाम

102

302(DK)

2024

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट ]

[ पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

- निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो भागों — खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में विभाजित है ।  
 ii) दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

( खण्ड-क )

1. क) 'आचरण की सभ्यता' के लेखक हैं

i) रामचन्द्र शुक्ल

ii) महावीर प्रसाद द्विवेदी

iii) सम्पूर्णानन्द

iv) अध्यापक पूर्ण सिंह

1

ख) 'चिंतामणि' निबन्ध-संग्रह के लेखक हैं

i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

ii) महावीर प्रसाद द्विवेदी

iii) रामचन्द्र शुक्ल

iv) हजारी प्रसाद द्विवेदी

1

ग) 'उसने कहा था' कहानी के लेखक हैं

i) जयशंकर प्रसाद

ii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

iii) चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'

iv) महावीर प्रसाद द्विवेदी

1

घ) 'राष्ट्र का स्वरूप' निबन्ध वासुदेवशरण अग्रवाल के किस निबन्ध-संग्रह से लिया गया है ?

i) भारत की एकता

ii) पृथिवी पुत्र

iii) कल्पवृक्ष

iv) कला और संस्कृति

1

ङ) 'बहादुर' कहानी के लेखक हैं

i) फणीश्वर नाथ रेणु

ii) मुंशी प्रेमचन्द

iii) जैनेन्द्र कुमार

iv) अमरकान्त

1

2. क) उर्मिला का विरह वर्णन 'साकेत' महाकाव्य के किस सर्ग में है ?

- |                    |                    |
|--------------------|--------------------|
| i) चतुर्थ सर्ग में | ii) नवम सर्ग में   |
| iii) पंचम सर्ग में | iv) तृतीय सर्ग में |

ख) 'कुकुरमुत्ता' के रचयिता हैं

- |                                   |                        |
|-----------------------------------|------------------------|
| i) महादेवी वर्मा                  | ii) भवानी प्रसाद मिश्र |
| iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' | iv) जयशंकर प्रसाद      |

ग) 'पलाशवन' काव्य-संकलन के प्रणेता हैं

- |                                 |                           |
|---------------------------------|---------------------------|
| i) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' | ii) जगन्नाथ दास 'रत्नाकर' |
| iii) जयशंकर प्रसाद              | iv) नरेन्द्र शर्मा        |

घ) निम्नलिखित में से कौन-सा कवि छायावाद का नहीं है ?

- |                                 |                   |
|---------------------------------|-------------------|
| i) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' | ii) जयशंकर प्रसाद |
| iii) महादेवी वर्मा              | iv) 'अज्ञेय'      |

ङ) 'निशा निमंत्रण' के रचनाकार हैं

- |                        |                     |
|------------------------|---------------------|
| i) धर्मवीर भारती       | ii) मैथिलीशरण गुप्त |
| iii) हरिवंशराय 'बच्चन' | iv) जयशंकर प्रसाद   |

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

5 × 2 = 10

भाषा स्वयं संस्कृति का एक अटूट अंग है। संस्कृति परम्परा से निःसृत होने पर भी परिवर्तनशील और गतिशील है। उसकी गति विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है। वैज्ञानिक आविष्कारों के प्रभाव के कारण उद्भूत नयी सांस्कृतिक हलचलों को शाब्दिक रूप देने के लिये भाषा के परम्परागत प्रयोग पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिये नये प्रयोगों की, नयी भाव-योजनाओं को व्यक्त करने के लिए नये शब्दों की खोज की महती आवश्यकता है।

- पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए।
- रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- नये शब्दों की खोज क्यों आवश्यक है ?
- संस्कृति का एक अटूट अंग क्या है ?
- किसके लिए भाषा के परम्परागत प्रयोग पर्याप्त नहीं हैं ?

अथवा

पृथ्वी और आकाश के अंतराल में जो सामग्री भरी है, पृथ्वी के चारों ओर फैले हुए गंभीर सागर में जो जलचर एवं रत्नों की राशियाँ हैं, उन सबके प्रति चेतना और स्वागत के नये भाव राष्ट्र में फैलने चाहिए। राष्ट्र के नवयुवकों के हृदय में उन सबके प्रति जिज्ञासा की नयी किरणें जब तक नहीं फूटती हैं, तब तक हम सोये हुए के समान हैं। विज्ञान और उद्यम दोनों को मिलाकर राष्ट्र के भौतिक स्वरूप का एक नया ठाट खड़ा करना है। यह कार्य प्रसन्नता, उत्साह और अथक परिश्रम द्वारा नित्य आगे बढ़ाना चाहिए। हमारा यह ध्येय हो कि राष्ट्र में जितने हाथ हैं, उनमें से कोई भी इस कार्य में भाग लिये बिना रीता न रहे।

- उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।
- रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- राष्ट्रीय चेतना में भौतिक ज्ञान-विज्ञान के महत्व को लिखिए।
- लेखक ने राष्ट्र की सुप्त अवस्था कब तक स्वीकार की है ?
- विज्ञान और श्रम के संयोग से राष्ट्र प्रगति के पथ पर कैसे अग्रसर हो सकता है ?

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

5 × 2 = 10

कोई प्यारा कुसुम कुम्हला गेह में जो पड़ा हो

तो प्यारे के चरण पर ला डाल देना उसी को

यों देना ऐ पवन बतला फूल-सी एक बाला

म्लान हो हो कमल पग को चूमना चाहती है

- उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए।
- प्रस्तुत पद्यांश में राधा ने अपनी तुलना किससे की है ?
- रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- श्रीकृष्ण के कमलवत् चरणों को कौन चूमना चाहता है ?
- राधा पवन दूतिका से मुरझाये हुए पुष्प के माध्यम से क्या संदेश देना चाहती है ?

अथवा

सावधान मनुष्य ! यदि विज्ञान है तलवार  
तो इसे दे फेंक तजकर मोह स्मृति के पार ।  
हो चुका है सिद्ध है तू शिशु अभी नादान  
फूल काँटों की तुझे कुछ भी नहीं पहचान ।  
खेल सकता तू नहीं ले हाथ में तलवार  
काट लेगा अंग तीखी है बड़ी यह धार ।

- i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।
- ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- iii) कवि ने वैज्ञानिक युग के मानव को क्या चेतावनी दी है ?
- iv) पद्य में फूल और काँटों से क्या तात्पर्य है ?
- v) कवि ने 'विज्ञान-तलवार' के प्रयोग करने से क्यों मना किया है ?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : ( अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द ) 3 + 2 = 5

- i) हजारी प्रसाद द्विवेदी
- ii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'
- iii) हरिशंकर परसाई ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : ( अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द ) 3 + 2 = 5

- i) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
- ii) मैथिलीशरण गुप्त
- iii) रामधारी सिंह 'दिनकर' ।

6. 'लाटी' अथवा 'ध्रुवयात्रा' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए : ( अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द )

5

अथवा

'पंचलाइट' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए । ( अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द )

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दें।

( अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द )

5

i) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर दशरथ का चरित्र-चित्रण कीजिए।

ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए।

iii) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथा संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'हर्षवर्द्धन' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

iv) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य का नायक कौन है ? उसका चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'आलोकवृत्त' के कथानक पर प्रकाश डालिए।

v) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'द्रौपदी' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए।

vi) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'गाँधीजी' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथा संक्षेप में लिखिए।

( खण्ड-ख )

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिये :  $2 + 5 = 7$

मयूरः अद्यापि तावन्मे बलं न पश्यसि इति अतिगर्वेण लज्जाञ्च त्यक्त्वा तावन्महतः शकुनि संघस्य मध्ये पक्षौ प्रसार्य नर्तितुमारब्धवान् चा प्रतिच्छन्नोऽभूत् । सुर्वणराजहंसः लज्जितः - अस्य नैव हीः अस्ति न बर्हाणां समुत्थाने लज्जा । नास्यैगतत्रपाय स्वदुहितरं दास्यामि इत्य कथयत् ।

अथवा

महामना विद्वान् वक्ता, धार्मिको नेता, पटुः पत्रकारश्चासीत् । परमस्य सर्वोच्चगुणः जनसेवैव आसीत् । यत्र कुत्रापि अयं जनान् दुःखितान् पीड्यमानांश्चापश्यत् तत्रैव सः शीघ्रमेव उपस्थितः सर्वविधं साहाय्यञ्च अकरोत् । प्राणिसेवा अस्य स्वभाव एवासीत् ।

अद्यास्माकं मध्येऽनुपस्थितोऽपि महामना मालवीयः स्वयंशसोऽमूर्तरूपेण प्रकाशं वितरन् अन्धे तमसि निमग्नान् जनान् सन्मार्गं दर्शयन् स्थाने स्थाने जने जने उपस्थित एव ।

(ख) दिये गये पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

2 + 5 = 7

जयन्ति ते महाभागा जनसेवा परायणाः ।

जरामृत्युभयं नास्ति येषां कीर्ति तनोः क्वचित् ।

अथवा

न मे रोचते भद्रं वः उलूकस्याभिषेचनम् ।

अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं क्रुद्धो भविष्यति ॥

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

1 + 1 = 2

(i) ईंट से ईंट बजाना

(ii) अंग अंग ढीला होना

(iii) आँखें चार होना

(iv) समर्थ को नहीं दोष गुसाई ।

10. अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

हमारी सांस्कृतिक अस्मिता का हास तो हो रहा है, हम लक्ष्य-भ्रम से भी पीड़ित हैं । विकास के विराट उद्देश्य पीछे हट रहे हैं, हम झूठी तुष्टि के तात्कालिक लक्ष्यों का पीछा कर रहे हैं । मर्यादायें टूट रही हैं । नैतिक मानदंड ढीले पड़ रहे हैं । व्यक्ति केन्द्रिकता बढ़ रही है । स्वार्थ परमार्थ पर हावी हो रहा है । भोग की आकांक्षाएँ आसमान को छू रही हैं । उपभोक्ता संस्कृति हमारी सामाजिक नींव को हिला रही है । <https://www.upboardonline.com>

(i) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए ।

2

(ii) उपभोक्ता संस्कृति का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

2

(iii) हमारे लक्ष्य भ्रम से पीड़ित क्यों हैं ?

1

अथवा

किसी देश की उन्नति अथवा अवनति वहाँ के नारी समाज पर निर्भर करती है । जिस देश की नारी जाग्रत, शिक्षित तथा गुणवती होती है - वही देश संसार में सबसे अधिक उन्नत समझा जाता है । इस दृष्टिकोण से भारत के वैदिक युग में नारी का महत्वपूर्ण स्थान था । उस समय भारत सब देशों का सिरमौर माना जाता था । सरस्वती, लक्ष्मी और दुर्गा आदि देवियाँ विद्या, धन और शक्ति की प्रतीक मानी जाती थीं । जीवन के लिए भी ये तीनों ही महत्वपूर्ण साधन हैं । ये नारी रूपी देवियों की कृपा से ही प्राप्त हो सकते थे । अतः भारतवर्ष में सर्वत्र देवियों का पूजन होता था । मनु ने तो यहाँ तक कह दिया कि जिस घर में नारी को सम्मान नहीं मिलेगा उसको कभी ऋद्धि-सिद्धि प्राप्त नहीं हो सकती ।

(i) जीवन के लिए कौन से साधन महत्वपूर्ण बताये गये हैं ?

1

(ii) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक निर्धारित कीजिए ।

2

(iii) भारत में नारी का महत्वपूर्ण स्थान किस काल में था ?

2

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) मनोज-मनोज्ञ -

(अ) मन का ओज-मन का ज्ञान

(ब) मनुष्य का जन्म-मन की सुन्दरता

(स) कामदेव-सुन्दर

(द) मन के अनुसार-मन की बात जाननेवाला 1

(ii) शूर-सुर -

(अ) अन्धा-स्वर

(ब) वीर-देवता

(स) सोया हुआ-संगीत

(द) विद्वान्-देवता 1

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो सही अर्थ लिखिए :

1 + 1 = 2

(i) नाक

(ii) वारिद

(iii) पयोधर

(iv) अर्क ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही शब्द का चयन करके लिखिए :

(i) किये हुये उपकार को माननेवाला -

(अ) परोपकारी

(ब) सज्जन

(स) कृतज्ञ

(द) महापुरुष 1

(ii) जो किये गये उपकार को न मानता हो -

(अ) अपकारी

(ब) दुष्ट

(स) कृतघ्न

(द) हानिप्रद 1

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :

1 + 1 = 2

(i) मोहन ने अलमारी खरीदा ।

(ii) अध्यापक ने हमसे निबन्ध लिखाया ।

(iii) शिक्षक ने क्षात्र की प्रशंसा की ।

(iv) महादेवी वर्मा कवियित्री थीं ।

12. (क) 'वीर' रस अथवा 'हास्य' रस की परिभाषा लिखते हुए एक उदाहरण लिखिए ।

1 + 1 = 2

(ख) 'उपमा' अलंकार अथवा 'श्लेष' अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए ।

1 + 1 = 2

(ग) 'दोहा' छन्द अथवा 'कुण्डलिया' छन्द का मात्रा सहित लक्षण उदाहरण लिखिए ।

1 + 1 = 2

13. विद्यालय के प्रधानाचार्य को शिक्षक पद पर अपनी नियुक्ति हेतु (योग्यता सहित) आवेदन-पत्र लिखिए ।

6

### अथवा

विद्यालय में खेलकूद की सामग्री की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए प्रधानाचार्य को एक प्रार्थना-पत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए :  $2 + 7 = 9$

- (i) आतंकवाद की समस्या-कारण और निवारण
- (ii) पर्यावरण प्रदूषण के निराकरण के उपाय
- (iii) विज्ञान वरदान है या अभिशाप
- (iv) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्व
- (v) मेरा प्रिय खेल ।

**302(DK) - 2,73,000**

<https://www.upboardonline.com>

Whatsapp @ 9300930012

Send your old paper & get 10/-

अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,

Paytm or Google Pay से



102

302(DL)

2024  
सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट ।

[ पूर्णांक : 100 ]

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो भागों — खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में विभाजित है ।

ii) दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

( खण्ड-क )

1. क) 'ज्ञानोदय' पत्रिका के सम्पादक थे

i) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

ii) बालकृष्ण भट्ट

iii) प्रतापनारायण मिश्र

iv) कार्तिक प्रसाद खत्री ।

1

ख) द्विवेदी-युग के लेखक हैं

i) सद्गल मिश्र

ii) मोहन राकेश

iii) अध्यापक पूर्ण सिंह

iv) रामचन्द्र शुक्ल

1

ग) 'ध्रुवस्वामिनी' किस विधा की रचना है ?

i) कहानी

ii) नाटक

iii) उपन्यास

iv) आत्मकथा

1

घ) 'विकलांग श्रद्धा का दौर' निबन्ध-संग्रह के लेखक हैं

i) डॉ० नगेन्द्र

ii) हरिशंकर परसाई

iii) जैनेन्द्र कुमार

iv) हजारी प्रसाद द्विवेदी

1

ङ) हिन्दी के प्रथम डायरी लेखक हैं

i) धीरेन्द्र वर्मा

ii) सुन्दरलाल त्रिपाठी

iii) घनश्यामदास बिड़ला

iv) नरदेव शास्त्री 'वेदतीर्थ'

1

2. क) 'भारतेन्दुयुगीन कवि' हैं

i) जयशंकर प्रसाद

ii) भवानी प्रसाद मिश्र

iii) गेथिलीशरण गुप्त

iv) प्रताप नारायण मिश्र

ख). छायावाद युग की कृति है

i) 'साकेत'

ii) 'कामायनी'

iii) 'प्रिय प्रवास'

iv) 'रामचन्द्रिका'

ग) 'पवन-दूतिका' काव्यांश के रचयिता हैं

i) महादेवी वर्मा

ii) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

iii) जयशंकर प्रसाद

iv) मुमित्रा नन्दन पन्त

घ) प्रयोगवाद की प्रमुख विशेषता नहीं है

i) अति बीद्ध्यता

ii) व्यक्तिवाद

iii) प्रकृति का मानवीकरण

iv) उपमानों-प्रतीकों की नवीनता

ड) 'समन्वय' पत्रिका के सम्पादक रहे हैं

i) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

ii) महावीर प्रसाद द्विवेदी

iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

iv) धर्मवीर भारती

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

5 × 2 = 10

जन का प्रवाह अनंत होता है। सहस्रों वर्षों से भूमि के साथ राष्ट्रीय जन ने तादात्म्य प्राप्त किया है। जब तक सूर्य की रश्मियाँ नित्य प्रातःकाल भुवन को अमृत से भर देती हैं तब तक राष्ट्रीय जन का जीवन भी अमर है। इतिहास के अनेक उतार-चढ़ाव पार करने के बाद भी राष्ट्र-निवासी जन न उठती लहरों से आगे बढ़ने के लिए आज भी अजर-अमर हैं। जन का संततवाही जीवन नदी के प्रवाह की तरह है, जिसमें कर्म और श्रम द्वारा उत्थान के अनेक घाटों का निर्माण करना होता है।

i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

iii) राष्ट्र-निवासी जन ने किसके साथ तादात्म्य स्थापित किया है ?

iv) प्रस्तुत गद्यांश लेखक की किस गद्य विधा की रचना है ?

v) 'संततवाही' और 'रश्मियाँ' का शब्दार्थ लिखिए।

अथवा

न्यूनतम में गुजारा करने और जीवन के बिताने में भी निश्चित रूप से कोई हर्ज नहीं है। महात्मा गांधी ने ऐसा ही जीवन जिया था, लेकिन जैसा कि उनके साथ था, आपके घापले में भी यह आपकी पसंद पर निर्भर करता है। आपकी ऐसी जीवन-शैली इसलिए है क्योंकि इससे वे तमाम जरूरतें पूरी होती हैं जो आपके भीतर की गहराइयों से उपजी होती हैं। लेकिन त्याग की प्रतिमूर्ति बनना और जोर-जबरदस्ती से चुनना-सहने का गुणगान करना अलग बातें हैं। हमारी युवा शक्ति से सम्पर्क करने के मेरे फैसले का आधार भी यही रहा है।

- दिये गये गद्यांश के शीर्षक एवं लेखक का नामोल्लेख कीजिए।
- रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- मनुष्य को सदैव किस प्रकार की जीवन शैली अपनाना चाहिए ?
- लेखक महात्मा गांधी के जीवन का उदाहरण देकर क्या स्पष्ट करना चाहता है ?
- प्रस्तुत गद्यांश के माध्यम से लेखक क्या सन्देश देना चाहता है ?

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

5 × 2 = 10

अपने जीवन का रस देकर जिसको यत्नों से पाला है -

क्या वह केवल अवसाद-मलिन झरते आँसू की माला है ?

वे रोगी होंगे प्रेम जिन्हें अनुभव-रस का कटु प्याला है -

वे मुर्दे होंगे प्रेम जिन्हें सम्मोहनकारी हाला है

- उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक एवं कवि का नाम लिखिए।
- रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- कवि ने किन्हें मुर्दा कहा है ?
- 'अवसाद' और 'सम्मोहन' शब्दों के अर्थ लिखिए।
- कवि के अनुसार जीवन की सार्थकता किसमें निहित है ?

अथवा

जो प्यारे मंजु उपवन या बाटिका में खड़े हों ।  
 छिट्टों में जा कचणित करना वेणु-सा कीचकों को ।  
 यों होवेगी सुरति उनको सर्व गोपांगना की ।  
 जो हैं वंशी श्रवण-रुचि से दीर्घ उत्कंठ होती ॥  
 ला के फूले कमल दल को श्याम के सामने ही ।  
 थोड़ा-थोड़ा विपुल जल में व्यग्र हो हो डुबाना ।  
 यों देना ऐ भगिनी जतला एक अंभोजनेत्रा ।  
 आँखों को हो विरह-विधुरावारि में बोरती है ॥

- i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।
  - ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
  - iii) उपर्युक्त पद्यांश के आधार पर राधा श्रीकृष्ण को पवन दूतिका से अपनी याद किस प्रकार दिलाने को कहती है ?
  - iv) 'भगिनी' और 'कीचक' के शब्दार्थ लिखिए ।
  - v) 'वेणु-सा' शब्द में प्रयुक्त अलंकार लिखिए ।
5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : ( अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द ) 3 + 2 = 5
- i) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'
  - ii) हरिशंकर परसाई
  - iii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी ।
- (ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : ( अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द ) 3 + 2 = 5
- i) महादेवी वर्मा
  - ii) मैथिलीशरण गुप्त
  - iii) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' ।
6. 'लाटी' अथवा 'पंचलाइट' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।  
 ( अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द ) 5

अथवा

'ध्रुवयात्रा' कहानी के उद्देश्य की विवेचना कीजिए । ( अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द )

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दें ।  
( अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द )

5

- i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु का उल्लेख कीजिए ।  
अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर इसके नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

- ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'द्रौपदी-चीर हरण' की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर उसकी नायिका का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

- iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कुन्ती' का चरित्रांकन कीजिए ।  
अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के पंचम सर्ग की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

- iv) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के किस सर्ग में 'नमक सत्याग्रह' का वर्णन है ? उस सर्ग का कथासार प्रस्तुत कीजिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' में कौन-सा चरित्र आपको सर्वाधिक प्रभावित करता है और क्यों करता है ?  
उसकी प्रमुख चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए । <https://www.upboardonline.com>

- v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'त्यागपथी' के आधार पर उसके प्रमुख नारी पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

- vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'सन्देश' सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर दशरथ का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

( खण्ड-ख )

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिये :  $2 + 5 = 7$   
संस्कृतस्य साहित्यं सरसं, व्याकरणञ्च सुनिश्चितम् । तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यं,  
भावबोधसामर्थ्यम् अद्वितीयं श्रुति माधुर्यञ्च वर्तते । किं बहुना चरित्रनिर्माणार्थं यादृशीं सत्प्रेरणां  
संस्कृत वाङ्मयं ददाति न तादृशीं किञ्चिदन्यत् । मूलभूतानां मानवीय गुणानां यादृशी विवेचना  
संस्कृतसाहित्ये वर्तते, नान्यत्र तादृशी । दया, दानं, शौचं, औदार्यम्, अनुसूया, क्षमा, अन्ये  
चानेके गुणाः अस्य साहित्यस्य अनुशीलनेन सज्जायन्ते ।

अथवा

महापुरुषाः लौकिक-प्रलोभनेषु बद्धाः नियतलक्ष्यान् कदापि भ्रश्यन्ति । देशसेवानुरक्तोऽयं युवा उच्चन्यायालयस्य परिधीं स्थातुं नाशक्नोत् । पण्डित मोतीलाल नेहरू-लालालाजपत राय प्रभृतिभिः अन्यैः राष्ट्रनायकैः सह सोऽपि देशस्य स्वतन्त्रतासंग्रामेऽवतीर्णः । देहल्यां त्रयोविंशति तमे कांग्रेसस्याधिवेशनेऽयम् अध्यक्षपदमलङ्कृतवान् ।

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :  $2 + 5 = 7$

सुखार्थिनः कुतो विद्या कुतो विद्यार्थिनः सुखम् ।

सुखार्थी वा त्यजेद् विद्यां विद्यार्थी वा त्यजेत् सुखम् ॥

अथवा

न मे रोचते भद्रं वः उलूकस्याभिषेचनम् ।

अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं क्रुद्धो भविष्यति ॥

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

$1 + 1 = 2$

(i) आँखों में खून उतर आना

(ii) अपनी अपनी ढफली अपना अपना राग

(iii) ईंट से ईंट बजाना

(iv) आगे नार्थ न पाछे पगहा ।

10. अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

$1 + 2 + 2 = 5$

यह सत्य है कि उम्र के अन्तिम पड़ाव पर वरिष्ठ नागरिकों की अपनी अनेक शारीरिक व्याधियाँ सिर उठा लेती हैं, परन्तु यह उनकी वास्तविक समस्या नहीं है । उनकी वास्तविक समस्या मानसिक है । यह मान लिया जाता है कि अब व्यक्ति शारीरिक और मानसिक श्रम के योग्य नहीं रहा, चाहे वह स्वस्थ ही क्यों न हो । जैसे ही व्यक्ति की आर्थिक उपयोगिता में कमी आती है, वह सामाजिक रूप से भी अनुपयोगी मान लिया जाता है । वह समाज एवं परिवार की नज़रों में 'बोझ', 'अनुपयोगी' तथा 'फालतू' मानने से उसे मानसिक पीड़ा होती है ।

(i) वरिष्ठ नागरिकों की वास्तविक समस्या क्या है ?

(ii) वरिष्ठ नागरिक को सामाजिक रूप से अनुपयोगी क्यों मान लिया जाता है ?

(iii) वरिष्ठ नागरिक को क्या-क्या मानने से मानसिक पीड़ा होती है ?

अथवा

भाषा संस्कृति की संरक्षक एवं वाहक होती है। भाषा की गरिमा नष्ट होने से उस स्थान की सभ्यता और संस्कृति पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। प्रत्येक देश की पहचान का एक मजबूत आधार उसकी अपनी भाषा होती है, जो अधिक से अधिक व्यक्तियों द्वारा बोली जानेवाली भाषा के रूप में व्यापक विचार-विनिमय का माध्यम बनकर ही राष्ट्रभाषा (यहाँ राष्ट्रभाषा का तात्पर्य है - पूरे देश की भाषा) का पद ग्रहण करती है। राष्ट्रभाषा के द्वारा आपस में सम्पर्क बनाए रखकर देश की एकता एवं अखण्डता को भी कायम रखा जा सकता है। हिन्दी देश की सम्पर्क भाषा तो है ही, इसे राजभाषा का वास्वतिक सम्मान भी दिया जाना चाहिए।

(i) संरक्षक और 'वाहक' शब्दों के अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(ii) लेखक के अनुसार राष्ट्रभाषा से क्या तात्पर्य है ?

(iii) देश की एकता और अखण्डता बनाए रखने के लिए क्या आवश्यक है ?

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) मेघ-मेघ -

(अ) बादल और कील

(ब) बादल और यज्ञ

(स) काला और बुद्धि

(द) बादल और चर्बी

1

(ii) निर्वाण-निर्माण -

(अ) मृत्यु और बनावट

(ब) वाण रहित और माण रहित

(स) मोक्ष और रचना

(द) रचना और मोक्ष

1

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो सही अर्थ लिखिए :

1 + 1 = 2

(i) पंचानन

(ii) अज

(iii) कौशिक।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही 'शब्द' चयन करके लिखिए :

(i) जिसके पास कुछ न हो -

(अ) अकिंचन.

(ब) गरीब

(स) भिक्षुक

(द) तुच्छ

1

(ii) वह पत्र, जिसमें किसी को कोई काम करने का अधिकार दिया गया हो -

(अ) अनुमतिपत्र

(ब) आज्ञापत्र

(स) अधिपत्र

(द) परिपत्र

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :

$$1 + 1 = 2$$

(i) याज्ञवल्क ने कहा कि आत्म ज्ञानी ही सर्वज्ञ होता है ।

(ii) उसने कहा कि मैं चार भाई हूँ ।

(iii) आपकी पुत्री प्रज्ञा गुणवान महिला है ।

(iv) प्रेम करना तलवार की नोक पर चलना है ।

12. (क) 'हास्य' रस अथवा 'वीर' रस का स्थायी भाव के साथ उदाहरण अथवा परिभाषा लिखिए ।

$$1 + 1 = 2$$

(ख) 'यमक' अलंकार अथवा 'भ्रान्तिमान' अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए ।  $1 + 1 = 2$

(ग) 'चौपाई' छन्द अथवा 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण सहित एक उदाहरण लिखिए ।  $1 + 1 = 2$

13. दैनिक समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापन के आधार पर संविदा पर लेखपाल पद की नियुक्ति हेतु अपने जनपद के जिला अधिकारी को एक आवेदन-पत्र लिखिए ।  $2 + 4 = 6$

अथवा

अपनी गली की नालियों की समुचित सफाई के लिए नगर-निगम के स्वास्थ्य अधिकारी व प्रार्थना-पत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए :  $2 + 7 =$

(i) मानव कल्याण में रोबोट (यंत्र मानव) की भूमिका ।

(ii) नयी शिक्षा नीति-2020 की प्रमुख विशेषताएँ

(iii) विद्यालय में पुस्तकालय का महत्व

(iv) भारतीय चुनाव प्रणाली ।

---

302(DL) - 2,73,000



अनुक्रमांक .....

नाम .....

102

302(DM)

2024

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट ]

[ पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो भागों – खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में विभाजित है ।

ii) दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

( खण्ड-क )

1. क) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने हिन्दी साहित्य का प्रथम मौलिक उपन्यास निम्न में से किसको माना है ?

i) 'परीक्षा गुरु' को

ii) 'भाग्यवती' को

iii) 'चन्द्रकान्ता सन्तति' को

iv) 'अनामदास का पोथा' को

1

ख) नाटक नहीं है

i) राजमुकुट

ii) गरुडध्वज

iii) अपना अपना भाग्य

iv) आन का मान

1

ग) स्वामी दयानन्द सरस्वती की रचना है

i) भूदान यज्ञ

ii) भोर का तारा

iii) सत्यार्थ प्रकाश

iv) भारत-भारती

1

घ) 'महके आँगन चहके द्वार' के रचनाकार हैं

i) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

ii) प्रताप नारायण मिश्र

iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

iv) मुंशी प्रेमचन्द

1

ङ) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी द्वारा लिखित निबन्ध है

i) आधुनिक भाषा

ii) समाज एवं भाषा

iii) भाषा और आधुनिकता

iv) भाषा का महत्व

1

2. क) 'भारतेन्दु युग' से सम्बन्धित नहीं है

- |                          |                            |
|--------------------------|----------------------------|
| i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र | ii) बालकृष्ण भट्ट          |
| iii) प्रताप नारायण मिश्र | iv) महावीर प्रसाद द्विवेदी |

1

ख) 'राम की शक्ति पूजा' के रचनाकार हैं

- |                                   |                       |
|-----------------------------------|-----------------------|
| i) मैथिलीशरण गुप्त                | ii) राम नरेश त्रिपाठी |
| iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' | iv) महादेवी वर्मा     |

1

ग) 'धर्म के प्रति अनास्था' तथा 'शोषक वर्ग के प्रति घृणा' किस वाद की प्रमुख विशेषता है ?

- |                |               |
|----------------|---------------|
| i) प्रगतिवाद   | ii) छायावाद   |
| iii) नयी कविता | iv) प्रयोगवाद |

1

घ) 'चिदंबर' के रचनाकार हैं

- |                         |                           |
|-------------------------|---------------------------|
| i) महादेवी वर्मा        | ii) मैथिलीशरण गुप्त       |
| iii) सुमित्रानन्दन पन्त | iv) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र |

1

ङ) 'अभिनव मनुष्य' काव्यांश के रचनाकार हैं

- |                    |                          |
|--------------------|--------------------------|
| i) नरेन्द्र शर्मा  | ii) रामधारी सिंह 'दिनकर' |
| iii) धर्मवीर भारती | iv) जयशंकर प्रसाद        |

1

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

5 × 2 = 10

निंदा का उद्गम ही हीनता और कमजोरी से होता है। मनुष्य अपनी हीनता से दबता है। वह दूसरों की निंदा करके ऐसा अनुभव करता है कि वे सब निकृष्ट हैं और वह उनसे अच्छा है। उसके अहं को इससे तुष्टि होती है। बड़ी लकीर को कुछ मिटाकर छोटी लकीर बड़ी बनती है। ज्यों-ज्यों कर्म क्षीण होता जाता है, त्यों-त्यों निंदा की प्रवृत्ति बढ़ती जाती है। कठिन कर्म ही ईर्ष्या-द्वेष और उनसे उत्पन्न निंदा को मारता है।

- उपर्युक्त गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नामोल्लेख कीजिए।
- रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- लेखक के अनुसार उत्पन्न निंदा को कैसे मारा जा सकता है ?
- 'निकृष्ट' और 'उद्गम' शब्दों के अर्थ लिखिए।
- उपर्युक्त गद्यांश में लेखक ने किस शैली का प्रयोग किया है ?

अथवा

मैंने बहुतों को रूप से पाते देखा था, बहुतों को धन से और गुणों से भी बहुतों को पाते देखा था, पर मानवता के आँगन में समर्पण और प्राप्ति का यह अद्भुत सौम्य स्वरूप आज अपनी ही आँखों देखा कि कोई अपनी पीड़ा से किसी को पाये और किसी का उत्सर्ग सदा किसी की पीड़ा के लिए ही सुरक्षित रहे ।

- उपर्युक्त गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए ।
- रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- लेखक ने समर्पण और प्राप्ति का कौन-सा अद्भुत स्वरूप देखा ?
- उपर्युक्त गद्यांश में लेखक का क्या उद्देश्य निहित है ?
- प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने किस गद्य विधा का प्रयोग किया है ?

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

5 × 2 = 10

मुझे फूल मत मारो,

होकर मधु के मीत मदन, पटु तुम कटु, गरल न गारो,

मुझे विकलता, तुम्हें विफलता, ठहरो, श्रम परिहारो ।

नहीं भोगिनी यह मैं कोई, जो तुम जाल पसारो,

बल हो तो सिंदूर-बिंदु यह, यह हर नेत्र निहारो !

रूप- दर्प कंदर्प, तुम्हें तो मेरे पति पर वारो,

लों, यह मेरी चरण-धूलि, उस रति के सिर पर धारो ॥

- उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए ।
- रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- प्रस्तुत पद्यांश में उर्मिला ने अपने सिंदूर बिंदु को किसके समान बताया है ?
- 'होकर मधु के मीत मदन' पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार लिखिए ।
- 'मैं अबला बाल वियोगिनी, कुछ तो दया विचारो' में कौन सा रस प्रयुक्त किया गया है ?

अथवा

बीती विभावरी जाग री !

अम्बर-पनघट में डुबो रही —

तारा-घट ऊषा-नागरी

खग-कुल कुल-कुल सा बोल रहा,

किसलय का अंचल डोल रहा,

लो यह लतिका भी भर लाई —

मधु मुकुल नवल रस गागरी ।

- i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक एवं कवि का नाम लिखिए ।
  - ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
  - iii) आकाश रूपी पनघट पर कौन तारा रूपी घड़े को डुबो रहा है ?
  - iv) 'खग-कुल कुल-कुल सा बोल रहा' पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ?
  - v) प्रस्तुत पद्यांश में प्रयुक्त रस का उल्लेख कीजिए ।
5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : ( अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द ) 3 + 2 = 5
- i) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'
  - ii) हरिशंकर परसाई
  - iii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम ।
- (ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : ( अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द ) 3 + 2 = 5
- i) जयशंकर प्रसाद
  - ii) सुमित्रानन्दन पन्त
  - iii) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' ।
6. 'बहादुर' अथवा 'लाटी' कहानी के उद्देश्य को अपने शब्दों में लिखिए । ( अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द ) 5

अथवा

'ध्रुवयात्रा' कहानी की कथावस्तु संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए । ( अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द )

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दें ।  
( अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द )
- i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'नमक आन्दोलन' की कथावस्तु लिखिए ।  
अथवा  
'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी की किन्हीं पाँच चारित्रिक गुणों/विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।
- ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर किन्हीं दो मार्मिक प्रसंगों का वर्णन कीजिए ।  
अथवा  
'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर दुःशासन का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
- iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।  
अथवा  
'रश्मिरथी' के तृतीय सर्ग के आधार पर कृष्ण और कर्ण के वार्तालाप का सारांश लिखिए ।
- iv) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।  
अथवा  
'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी का चरित्राङ्कन कीजिए ।
- v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के किसी सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।  
अथवा  
सिद्ध कीजिए कि 'त्यागपथी' खण्डकाव्य में 'हर्षवर्धन' का चरित्र ही केन्द्र है और उसी के चारों ओर कथानक का चक्र घूमता है । <https://www.upboardonline.com>
- vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'आखेट' सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।  
अथवा  
"मुझे बाणों की पीड़ा सम्प्रति, उतनी नहीं सताती है ।  
पितरों के भविष्य की चिन्ता, जितनी व्यथा बढ़ाती है" ॥  
कथन के आलोक में 'श्रवणकुमार' के चरित्र पर प्रकाश डालिए ।

( खण्ड-ख )

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिये :  $2 + 5 = 7$   
मैत्रेयी उवाच-यदीयं सर्वा पृथिवी वित्तेन पूर्णा स्यात्, तत् किं तेनाहममृता स्यामिति । याज्ञवल्क्य उवाच-नेति । यथैवोपकरणवतां जीवनं तथैव ते जीवनं स्यात् । अमृतत्वस्य तु नाशास्ति वित्तेन इति । सा मैत्रेयी उवाच-प्रिया नः सती त्वं प्रियं भाषसे ।

अथवा

संस्कृत साहित्यस्य आदिकविः वाल्मीकिः, महर्षिव्यासः, कविकुलगुरुः कालिदासः अन्ये च भास-भारवि भवभूत्यादयो महाकवयः स्वकीयैः ग्रन्थरत्नैः अद्यापि पाठकानां हृदि विराजन्ते । इयं भाषा अस्माभिः मातृसमं सम्माननीया वन्दनीया च, यतो भारतमातुः स्वातन्त्र्यं, गौरवम्, अखण्डत्वं सांस्कृतिकमेकत्वञ्च संस्कृतेनैव सुरक्षितुं शक्यन्ते ।

(13) दिये गये श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

$$2 + 5 = 7$$

विद्या विद्यादाय धनं मदाय शक्तिः परेषां परिर्पाडनाय ।

खलस्य साधोः विपरीतमेतज्ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय ॥

अथवा

जयन्ति ते महाभागा जन-सेवा-परायणाः ।

जरामृत्युभयं नास्ति येषां कीर्तितनोः क्वचित् ॥

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

$$1 + 1 = 2$$

(i) टेढ़ी खीर होना

(ii) बालू में तेल निकालना

(iii) घी का लड्डू टेढ़ा भला

(iv) समर्थ को नहीं दोष गोसाईं ।

10. अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

$$1 + 2 + 2 = 5$$

वैज्ञानिकों का मानना है कि पृथ्वी पर सर्वप्रथम अस्तित्व में आनेवाले एककोशिकीय जीव अमीबा एवं पैरामीशियम के जन्म के पीछे मीथेन ही कारक रही है । प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगल की सतह पर स्थित चट्टानों में लौह तत्व की प्रधानता है । फलस्वरूप हवा की उपस्थिति में वहाँ जंग लगने की प्रक्रिया स्वाभाविक रूप से चलती रहती है । इसी कारण इस ग्रह की मिट्टी लाल है और आँधी चलने पर यहाँ का वातावरण गुलाबी बादलों से भर जाता है । इन्हीं कारणों से मंगल ग्रह को लाल ग्रह भी कहा जाता है । मंगल ग्रह पर पहुँचने वाला भारत पहला एशियाई देश बन गया ।

(i) मंगल की सतह पर चट्टानों में किस तत्व की प्रधानता है ?

(ii) मंगल ग्रह की मिट्टी किस कारण से लाल है ?

(iii) पृथ्वी पर सर्वप्रथम अस्तित्व में आनेवाले जीव कौन-कौन हैं ?

अथवा

पहले मैं आपको अपनी सबसे बड़ी विशेषता बताता चलूँ । मेरी तीन गतियाँ होती हैं - दान, भोग और नाश । इसलिए समझदार लोग मेरा अर्जन करने के बाद जी खोलकर मुझे दान करते हैं । दान करने में असमर्थ लोग मेरा जी भरकर उपभोग करते हैं । जो लोग न मेरा दान करते हैं और न भोग, उनके पास मैं अधिक दिनों तक नहीं रह पाता या तो चोर, डाकू या फिर आयकर अधिकारी मुझे पाताल से भी ढूँढ़ निकालते हैं । मेरी कमी यदि कई प्रकार की समस्याओं का कारण बनती है, तो मेरी अधिकता भी कम नुकसानदायक नहीं होती । इसलिए मेरे प्रयोग में मनुष्य को सावधानी बरतनी चाहिए ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के वक्ता का नाम लिखिए ।

(ii) वक्ता की कौन-कौन गतियाँ होती हैं ?

(iii) वक्ता की अधिकता से दान या भोग न करने पर क्या परिणाम होता है ?

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) अग-अघ -

(अ) आगे और पीछे

(ब) अचल और पाप

(स) नया और पुराना

(द) आना और पुण्य ।

1

(ii) पयोद-पयोधि -

(अ) आकाश और परम्परा

(ब) बादल और समुद्र

(स) जल और दूध

(द) बादल और कमल ।

1

1 + 1 = 2

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो सही अर्थ लिखिए :

(i) कर्ण

(ii) सारंग

(iii) श्रुति ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही 'शब्द' चयन करके लिखिए :

(i) किसी बात का गूढ़ रहस्य जाननेवाला -

(अ) बहुज्ञ

(ब) मर्मज्ञ

(स) सर्वज्ञ

(द) विद्वान्

1

(ii) जिसे समझना कठिन हो -

(अ) सुबोध

(ब) दुर्निवार

(स) दुस्तर

(द) दुर्बोध

1

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :

1 + 1 = 2

(i) डॉ० प्रत्यूषराज बनस्पति विज्ञान के प्राध्यापक हैं ।

(ii) सब लोग अपना काम करो ।

(iii) अब दस रुपया में क्या आता है ?

(iv) मेरे से कुछ न पूछो ।

12. (क) 'वियोग (विप्रलम्भ) शृंगार' रस अथवा 'करुण' रस का स्थायीभाव के साथ उदाहरण अथवा परिभाषा लिखिए ।

1 + 1 = 2

(ख) 'श्लेष' अलंकार अथवा 'सन्देह' अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए ।

1 + 1 = 2

(ग) 'दोहा' छन्द अथवा 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण सहित एक उदाहरण लिखिए ।

1 + 1 = 2

13. परीक्षा के समय बिजली कटौती न करने के लिए अपने जिलाधिकारी को एक प्रार्थना पत्र लिखिए। 6

अथवा

भारतीय स्टेट बैंक के शाखा प्रबन्धक को उच्च शिक्षा ग्रहण करने हेतु ऋण प्राप्त करने के लिए आवेदन पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए :  $2 + 7 = 9$

(i) अन्तरिक्ष में भारत के बढ़ते कदम

(ii) प्रजातंत्र में विपक्ष की भूमिका

(iii) भारत के आर्थिक विकास में गैर-परम्परागत ऊर्जा स्रोतों का योगदान

(iv) हमारी सामाजिक प्रमुख समस्याएँ और उनका समाधान।

**302(DM) - 2,73,000**

<https://www.upboardonline.com>

Whatsapp @ 9300930012

Send your old paper & get 10/-

अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,

Paytm or Google Pay से



अनुक्रमांक .....

नाम .....

102

302(DN)

2024

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट ]

[ पूर्णांक : 11

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो भागों – खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में विभाजित है ।

ii) दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

( खण्ड-क )

1. क) 'माधुरी' पत्रिका किस युग में प्रकाशित हुई ?

i) भारतेन्दु-युग

ii) द्विवेदी-युग

iii) शुक्ल-युग

iv) शुक्लोत्तर-युग

ख) 'शेखर : एक जीवनी' के लेखक हैं

i) जयशंकर प्रसाद

ii) प्रेमचन्द

iii) अज्ञेय

iv) रामवृक्ष बेनीपुरी

ग) 'कफन' किस विधा की रचना है ?

i) उपन्यास

ii) नाटक

iii) कहानी

iv) संस्मरण

घ) 'मैला आँचल' उपन्यास है

i) आंचलिक

ii) ऐतिहासिक

iii) मनोवैज्ञानिक

iv) धार्मिक

ङ) 'अन्धा युग' रचना के लेखक हैं

i) धर्मवीर भारती

ii) रामकुमार वर्मा

iii) मोहन राकेश

iv) जैनेन्द्र

2. क) 'रामचरितमानस' की रचना किस भाषा में हुई है ?

- |             |               |
|-------------|---------------|
| i) अवधी     | ii) ब्रज      |
| iii) मैथिली | iv) खड़ी बोली |

ख) 'परमालरासो' का रचना काल है

- |              |                |
|--------------|----------------|
| i) आदिकाल    | ii) भक्तिकाल   |
| iii) रीतिकाल | iv) आधुनिक काल |

ग) 'छायावाद' की रचना नहीं है

- |                  |                |
|------------------|----------------|
| i) कामायनी       | ii) साकेत      |
| iii) सरोज स्मृति | iv) नौका विहार |

घ) सुमित्रानन्दन पन्त ने 'नौका विहार' कविता की रचना किस स्थान पर रहकर की ?

- |               |              |
|---------------|--------------|
| i) काला कांकर | ii) रामगढ़   |
| iii) वाराणसी  | iv) इहालाबाद |

ङ) 'वेदना की प्रतिमूर्ति' किस कवयित्री को कहा जाता है ?

- |                        |                   |
|------------------------|-------------------|
| i) सुभद्राकुमारी चौहान | ii) महादेवी वर्मा |
| iii) मैत्रेयी पुष्पा   | iv) लक्ष्मीबाई    |

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

5 × 2 = 10

जन का प्रवाह अनंत होता है। सहस्रों वर्षों से भूमि के साथ राष्ट्रीय जन ने तादात्म्य प्राप्त किया है जब तक सूर्य की रश्मियाँ नित्य प्रातःकाल भुवन को अमृत से भर देती हैं तब तक राष्ट्रीय जन व जीवन भी अमर है। इतिहास के अनेक उतार-चढ़ाव पार करने के बाद भी राष्ट्र-निवासी जन न उठती लहरों से आगे बढ़ने के लिए अजर-अमर हैं। जन का संततवाही जीवन नदी के प्रवाह की तरह है, जिसमें कर्म और श्रम के द्वारा उत्थान के अनेक घाटों का निर्माण करना होता है।

- जन का प्रवाह किस तरह होता है ?
- पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिये।
- रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- सूर्य की रश्मियों का क्या प्रभाव पड़ता है ?
- राष्ट्रीय जन ने किसके साथ तादात्म्य स्थापित किया है ?

अथवा

रमणीयता और नित्य नूतनता अन्योन्याश्रित हैं। रमणीयता के अभाव में कोई भी चीज मान्य नहीं होती है। नित्य नूतनता किसी भी सर्जक की मौलिक उपलब्धि की प्रामाणिकता सूचित करती है और उसकी अनुपस्थिति में कोई भी चीज वस्तुतः जनता व समाज के द्वारा स्वीकार्य नहीं होती। सड़ी-गली मान्यताओं से जकड़ा हुआ समाज जैसे आगे नहीं बढ़ पाता, वैसे ही पुरानी रीतियों और शैलियों की परम्परागत लीक पर चलनेवाली भाषा भी जन-चेतना को गति देने में प्रायः असमर्थ ही रह जाती है।

- उपर्युक्त गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।
- रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- क्या चीजें अन्योन्याश्रित हैं ?
- नित्य नूतनता क्या सूचित करती है ?
- 'रमणीयता' और 'परम्परागत' शब्दों के अर्थ लिखिए।

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

5 × 2 = 10

मुझे फूल मत मारो।

मैं अबला बाला वियोगिनी, कुछ तो दया विचारो।

होकर मधु के मीत मदन, पटु तुम कटु गरल न गारो,

मुझे विकलता तुम्हें विफलता ठहरो श्रम परिहारो।

नहीं भोगिनी यह मैं कोई, जो तुम जाल पसारो,

बल हो तो सिन्दूर-बिन्दु यह-यह हर नेत्र निहारो।

रूप-दर्प कन्दर्प तुम्हें तो मेरे पति पर वारो,

लो, यह मेरी चरण-धूलि उस रति के सिर पर धारो ॥

- उपर्युक्त पद्यांश के शीर्षक एवं रचयिता का नाम लिखिए।
- उर्मिला ने शिव का तीसरा नेत्र किसे बताया है ?
- इस पद्यांश में किस ऋतु का वर्णन है ?
- यह पद्यांश किस ग्रन्थ से उद्धृत है ?
- रेखांकित पंक्ति की व्याख्या कीजिए।

अथवा

सावधान मनुष्य ! यदि विज्ञान है तलवार,  
तो इसे फेंक तजकर मोह, स्मृति के पार ।  
हो चुका है सिद्ध है तू शिशु अभी अज्ञान,  
फूल कांटों की तुझे कुछ भी नहीं पहचान,  
खेल सकता तू नहीं ले हाथ में तलवार,  
काट लेगा अंग, तीखी है बड़ी यह धार ॥

- i) पाठ का शीर्षक और कवि का नाम लिखिये ।
  - ii) विज्ञान को तलवार क्यों कहा है ?
  - iii) कवि ने वैज्ञानिक युग के मानव को क्या चेतावनी दी है ?
  - iv) मनुष्य को अज्ञान शिशु क्यों कहा गया है ?
  - v) रेखांकित पंक्ति की व्याख्या कीजिए ।
5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : ( अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द ) 3 + 2 = 5
- i) हजारीप्रसाद द्विवेदी
  - ii) हरिशंकर परसाई
  - iii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम ।
- (ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : ( अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द ) 3 + 2 =
- i) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
  - ii) जयशंकर प्रसाद
  - iii) अज्ञेय ।
6. 'लाटी' कहानी की कथावस्तु का सार लिखिए । ( अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द )

अथवा

'ध्रुवयात्रा' कहानी का उद्देश्य लिखिए । ( अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द )

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दें ।

( अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द )

5

i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की प्रमुख पात्र की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर द्रौपदी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

iv) 'आलोकवृत्त' की कथावस्तु का सार लिखिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिये ।

v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'हर्षवर्द्धन' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रवणकुमार' की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।

( खण्ड-ख )

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिये :  $2 + 5 = 7$

संस्कृतसाहित्यस्य आदिकविः बाल्मीकिः, महर्षिव्यासः, कविकुलगुरुः कालिदासः अन्ये च भास-भारवि-भव भूत्यादयो महाकवयः स्वकीयैः ग्रन्थरत्नैः अद्यापि पाठकानाम् हृदि विराजन्ते । इयं भाषा अस्माभिः मातृसमं सम्माननीया वन्दनीया च, यतो भारतमातुः स्वातन्त्र्यं गौरवम्, अखण्डत्वं सांस्कृतिकमेकत्वञ्च संस्कृतेनैव सुरक्षितुं शक्यन्ते । इयं संस्कृतभाषा सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठा चास्ति ।

अथवा

अतीते प्रथम कल्पे जनाः एकमभिरूपम्, सौभाग्यप्राप्तं सर्वाकार परिपूर्णं पुरुषं राजानमकुर्वन् चतुष्पदा अपि सन्निपत्य एकं सिंहं राजानमकुर्वन् । ततः शकुनिगणाः हिमवत्प्रदेशे एकस्मिन् पाषाणे सन्निपत्य 'मनुष्येषु' राजा प्रज्ञायते तथा चतुष्पदेषु च । अस्माकम् पुनरन्तरे राजा नास्ति ।

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

2 + 5 =

जल-बिन्दु निपातेन क्रमशः पूर्यते घटः ।

स हेतुः सर्वविद्यानां धर्मस्य च धनस्य च ॥

अथवा

कामान् दुग्धे विप्रकर्षत्यलक्ष्मी,

कीर्तिं सूते दुष्कृतं या हिनस्ति ।

शुद्धां शान्तां मातरं मंगलानाम् ।

धेनुं धीराः सुनृतां वाचमाहुः ॥

9. निम्नलिखित लोकोक्तियों एवं मुहावरों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

1 + 1 = 2

(i) मुँह फुलाना

(ii) हाथ पीले करना

(iii) दाल में काला होना

(iv) सावन हरे न भादो सूखे ।

10. अपठित गद्यांश से सम्बन्धित दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

इच्छाएँ नाना हैं और नाना विधि हैं और वे उसे प्रवृत्त रखती हैं ।/उस प्रवृत्ति से वह रह-रह कर थक जाता है और निवृत्ति चाहता है । यह प्रवृत्ति और निवृत्ति का चक्र उसको द्वन्द्व से थका मारता है इस संसार को अभी राग-भाव से वह चाहता है कि अगले क्षण उतने ही भाव-विराग से वह उसक विनाश चाहता है । पर राग-द्वेष की वासनाओं से अन्त में झुँझलाहट और छटपटाहट ही हाथ लगत है । <https://www.upboardonline.com>

(i) प्रवृत्ति-निवृत्ति के चक्र में फँसा मनुष्य क्यों रुक जाता है ?

(ii) प्रेम और ईर्ष्या की वासनाओं में पड़कर मनुष्य की स्थिति कैसी हो जाती है ?

(iii) रेखाङ्कित अंश का आशय लिखिए ।

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) वसन-व्यसन -

(अ) विवश और व्याकुलता

(ब) वस्त्र और आदत

(स) कवच और भोजन

(द) अवधि और विस्तार ।

(ii) अन्न-अन्य -

(अ) अनाज और दूसरा

(ब) भोजन और अनेक

(स) गेहूँ और चावल

(द) बेकार और दूसरा ।

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो सही अर्थ लिखिए :

1 + 1

(i) चपला

(ii) जीवन

(iii) शिव ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही 'शब्द' चयन करके लिखिए :

(i) जो शिक्षा देता है -

(अ) शिक्षक

(ब) नेता

(स) अभिनेता

(द) सन्त

(ii) जो सब कुछ जानता हो -

(अ) सर्वज्ञ

(ब) महापुरुष

(स) तपस्वी

(द) ब्राह्मण

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :

1 + 1 =

(i) मैं भोजन कर लिया हूँ ।

(ii) मेरा बड़ा भाई आ रहा है ।

(iii) मैं कलम के साथ लिखता हूँ ।

(iv) सूर्य पूरब में निकलता था ।

12. (क) 'संयोग शृंगार' रस अथवा 'करुण' रस का लक्षण सहित एक उदाहरण लिखिए । 1 + 1 =

(ख) 'यमक' अलंकार अथवा 'रूपक' अलंकार की परिभाषा लिखते हुए एक उदाहरण लिखिए ।

1 + 1 =

(ग) 'दोहा' छन्द अथवा 'सोरठा' छन्द का लक्षण और एक उदाहरण लिखिए ।

1 + 1 =

13. अपने गाँव अथवा शहर में सफाई हेतु उचित अधिकारी को पत्र लिखिये ।

अथवा

विद्यालय में अनुशासन व्यवस्था बनाये रखने हेतु प्रधानाचार्य को पत्र लिखिये ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में सारगर्भित लिखिए : 2 +

- (i) पर्यावरण का असंतुलन और मानव जीवन पर प्रभाव
- (ii) बेरोजगारी की समस्या और समाधान
- (iii) नयी शिक्षण व्यवस्था में कम्प्यूटर की उपयोगिता
- (iv) साहित्य समाज का पथ प्रदर्शक है
- (v) महिला सशक्तीकरण का समाज के विकास पर प्रभाव
- (vi) वर्तमान भारतीय राजनीति की दिशा और दशा ।

---

302(DN) - 2,73,000

<https://www.upboardonline.com>

Whatsapp @ 9300930012

Send your old paper & get 10/-

अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,

Paytm or Google Pay से